सौराष्ट्र एवं दक्षिण भारत की विजय

रुद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख से पता चलता है कि उसका प्रान्तपति पुष्यगुप्त सौराष्ट्र का शासन चलाता था और चन्द्रगुप्त ने वहाँ सिंचाई हेतु सुदर्शन नामक झील का प्रबंध किया। इससे स्पष्ट होता है कि चन्द्रगुप्त का सौराष्ट्र पर अधिकार था। यह भी अनुमान लगाया जाता है कि अवन्ति और मालवा भी उनके राज्य में सम्मिलित थे। साहित्यिक ग्रन्थों के विवरण से पता चलता है कि चन्द्रगुप्त ने दक्षिण भारत के अधिकांश भाग पर अधिकार कर लिया था।